भारतीय जनता पार्टी छह राज्यसभा सांसदों को लोकसभा चुनाव में उतारेगी

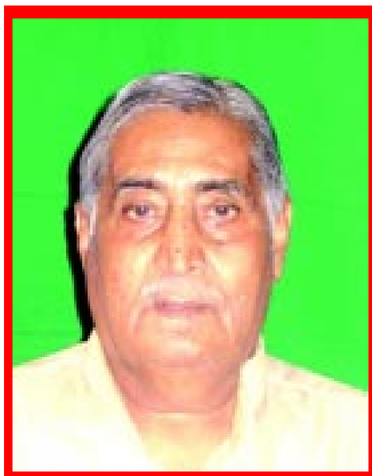

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा के होने वाले चुनाव में कद्दावर सदस्यों को भी चुनाव मैदान में उतारने का मन बनाया है। लक्ष्य है केंद्र में सत्ता की प्राप्ति। लोकसभा प्रत्याशियों का ऐलान भी इसी माह के अन्त तक कर दिया जाएगा। इस आशय के संकेत दिल्ली में हुई संघ और भाजपा की बैठक में दिये गये। दिल्ली दरबार में एक सूची तैयार की जा रही है, जिसमें मध्यप्रदेश के छह राज्यसभा सदस्यों के नाम शामिल हैं, जिन्हें लोकसभा का चुनाव लड़ाया जा सकता है। वे हैं-सुषमा स्वराज, विक्रम वर्मा, रघुनंदन शर्मा, नारायण केसरी, प्रभात झा एवं अनसुईया उइके।

भाजपा हाईकमान ने पार्टी के वरिष्ठ विधायक राज्यसभा सदस्यों को चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा है। कुछ विधायकों को भी लोकसभा चुनाव में आजमाया जा सकता है, लक्ष्य है सिर्फ केंद्र में सरकार बनाना। संघ और भाजपा ने पूरी तरह से मिशन 2009 की कमान लालकृष्ण आडवाणी को सौंप दी है। श्री आडवाणी ने इसी माह में प्रत्याशी तय कर लेने के संकेत कल बैठक में दिये।

> इसी माह तय होंगे प्रत्याशी
> कई दिग्गज व विधायक उतरेंगे मैदान में

मध्यप्रदेश से राज्यसभा में पहुंची सुषमा स्वराज को भोपाल लोकसभा से चुनाव लड़ने पर विचार किया जा रहा है। मौजूदा सांसद कैलाश जोशी के स्वास्थ्य को देखते हुए यहां प्रत्याशी बदला जा सकता है। वहीं खुद श्रीमती स्वराज दिल्ली या हरियाणा से चुनाव लड़ना चाह रही हैं। पिछला चुनाव वह बेल्लारी से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ लड़ी थीं। मध्यप्रदेश से भाजपा हाईकमान को काफी अपेक्षाएं हैं। ऐसे में पिछड़े वर्ग के विक्रम वर्मा, दलित नारायण सिंह केसरी, आदिवासी नेता अनसुइया उइके, ब्राह्मण नेता रघुनंदन शर्मा एवं प्रभात झा पर भी भाजपा दांव खेलना चाह रही है।

ग्वालियर सांसद यशोधरा राजे की सीट बदलने की स्थिति में ही प्रभात झा को मैदान में उतारा जाएगा, अन्यथा उन्हें चुनाव में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का राज्यसभा में जाना तय है। लेकिन उनकी नजर मुरैना लोकसभा सीट पर है। लोकसभा चुनाव के लिए उन्हें प्रत्याशी बनाया गया तो वे मुरैना से ही चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव के छह सांसदों को मैदान में उतारा था, उसी तर्ज पर अब कुछ विधायकों को लोकसभा चुनाव लड़ाने पर भी विचार कर रही है। अनुसुइया उइके, रघुनंदन शर्मा, नारायण सिंह केसरी के नाम पर भी भाजपा हाईकमान विचार कर रहीहै। कहा जा रहा है कि वरिष्ठ नेता वैंकेया नायडू ने प्रदेश भाजपा से पूछा है कि इन सांसदों को किन सीटों से चुनाव लड़ाया जा सकता है। दिल्ली को जल्द बताएं। इससे साफ है कि प्रदेश के राज्यसभा सदस्यों का लोकसभा चुनाव लड़ना तय है।

पंजाब और हरियाणा में जबरदस्त ठंड

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा में आज शीत लहर के कारण तापमान काफी नीचे लुढ़क गया तथा कोहरा छाए होने से सड़क, रेल तथा हवाई यातायात बाधित हुआ जिससे सामान्य जनजीवन खासा प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक आज सुबह इस क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ था तथा दृश्य स्तर गिरकर लगभग शून्य हो गया था।

ग्रहण की गिरफ्त में गठा तंत्र

मकर संक्रांति से सवा माह तक एक तरह से आपातकाल की स्थिति रहेगी। मकर राशि में ग्रहों के उलटफेर के 49 दिन का समय अतिसंकपूर्ण रहेगा। इस दौरान जल प्लावन, विस्फोट, प्राकृतिक आपदा, हिमपात युद्ध, भूकंप, राजनीतिक हत्या, उग्र आंदोलन, बस अथवा विमान दुर्घटना, शिक्षण संस्थाओं, असामाजिक तत्वों का वर्चस्व, मादक पदार्थो के उपयोग में वृद्धि, खेती में निराशाजनक स्थितियां बन सकती हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित विनोद गौतम ने ये भविष्य वाणियां करके जनमानस को चिंता में डाल दिया हैं।

> 26 जनवरी के आसपास हो सकता है युद्ध, ज्योतिषाचार्यो की भविष्य वाणियों ने जनमानस की चिंता बढ़ाई

यह सभी जानते हैं कि ग्रहों के तीन प्रभाव होते हैं- सकारात्मक, नकारात्मक और यथास्थिति या तटस्थता। इस बार नकारात्मक प्रभाव ज्यादा हो रहे हैं। चूंकि इस वर्ष गठातंत्र दिवस ग्रहण की गिरफ्त में मनेगा साथ ही भारत की प्रभाव राशि मकर में पंचग्रही योग बना रहा हैं। यह स्थिति 1962 में निर्मित हुई थी। माना जा रहा है कि इससे 26 जनवरी के आसपास ऐतिहासिक घटना-दुर्घटना हो सकती हैं।

26 जनवरी के दिन सूर्यग्रहण के अलावा पंचग्रही योग, सूर्य और मंगल का अंग एक योग जैसे दुर्योग सामने आने वाले हैं। मकर राशि में यह योग 1962 में बना था। तब भारत का चीन से युद्ध हो गया था। इस बार भी युद्ध की स्थिति निर्मित हो रही है। ग्रहों के प्रभाव को मानें तो यदि पाकिस्तान अपनी हठधर्मी पर बना रहा तो उसके साथ एक और युद्ध हो सकता है। ग्रहण तो मकर राशि में पड़ ही रहा है। इसी राशि में पंचग्रही योग भी बन रहा है। पंचग्रही का मतलब सूर्य, राहू, बुध, कुंभ और चंद्र का एक साथ आना-25 जनवरी को दोपहर चंद्रमा का मकर में प्रवेश होगा। 26 जनवरी की रात 12 बजे मंगल भी मकर राशि में आएगा। इसके अलावा पौष माह में पांच शनिवार भी पंचक योग ही बना रहा है। यह अशुभ परिणायों की ओर संकेत आ रहा हैं। योग चद्रग्रही हो या पंचग्रही ज्योतिषीय दृष्टि से इसे अच्छा नहीं माना जाता। मकर संक्रांति 14 जनवरी से तीन मार्च का समय आपात काल जैसा होगा। पूरे 49 दिन का तक चलने वाले इस अघोषित आपातकाल की घोषणाएं भयावह चित्र की तरह दुनिया के सामने आएंगी। इस दौरान होने वाली अशुभ घटनाएं जनमानस को चिंता में डालने वाली हैं।

मकर राशि के योग उथल-पुथल मचाने वाले हैं।14 जनवरी से 7 फरवरी तक बुध, गुरू, राहू और सूर्य के कारण चन्द्रग्रही योग 25 से 28 जनवरी तक सूर्य, बुध, राहू, गुरू, चंद्र और मंगल के मिलने से षटग्रही योग 7 से 12 फरवरी तक सूर्य, राहू, बुध, गुरू और चन्द्रमा का पंचग्रही 12 से 20 फरवरी तक मंगल, बुध, गुरू और राहू के कारण चतुर्ग्रही 12 से 23 फरवरी तक मंगल, चंद्र, बुध, राहू और गुरू का पंचग्रही योग इस बार एक जनवरी गुरूवार को ग्रहण मुहूर्त में शनि वही था। 60 साल बाद ऐसा हुआ 21 दिसंबर 1949 को शनि वही जरूर हुआ था तब से लेकर एक जनवरी को शनि कभी वही नहीं हुआ। शनि 17 मई तक वही रहेगी। यह स्थिति उथलपुथल का कारण बनेगी।

अब राजनीति में लौटेंगे मुशर्रफ!

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ इस साल के अंत तक फिर सक्रिय राजनीति में उतर सकते हैं। इसके लिए धन जुटाने का रास्ता भी उन्होंने चुन लिया है। और यह रास्ता है विभिन्न देशों में जाकर व्याख्यान देना।

सूत्रों के अनुसार बतौर अतिथि व्याख्यान देने के लिए इस महीने भारत जा सकते हैं। इसके अलावा उनका कई अन्य देशों की यात्रा का भी कार्यक्रम है। इस दौरान व्याख्यान के जरिए धन जुटाना उनका मकसद है ताकि भविष्य में वह राजनीतिक गतिविधियां चला सकें।

पूर्व तानाशाह के एक करीबी सूत्र ने बताया कि व्याख्यान देने के लिए मुशर्रफ का भारत समेत दूसरे देशों की यात्रा का कार्यक्रम नवंबर में हुए मुंबई हमलों से पहले ही बनाया गया था। अमेरिका में 14 जनवरी को अपने पहले व्याख्यान से मुशर्रफ अपनी यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं।

मुशर्रफ कुछ यूरोपीय देशों, हांगकांग और चीन की यात्रा पर भी जाएंगे। उनका इरादा आकर्षक व्याख्यान के जरिए अपनी भविष्य की राजनीतिक गतिविधियों के लिए कोष एकत्रित करना है। पूर्व राष्ट्रपति राजनीति में प्रवेश करने के लिए

दो साल की लगी पाबंदी के समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं। संविधान विशेषज्ञ एसएफ जफर का कहना है मौजूदा कानून के तहत मुशर्रफ सेना प्रमुख के पद से हटने की तारीख 28 नवंबर 2007 से लेकर दो साल तक राजनीति में भाग नहीं ले सकते। बकौल जफर मुशर्रफ फिलहाल किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल नहीं हैं। ऐसी चर्चा भी है कि मुशर्रफ ने अपनी ओर से राजनीतिक गतिविधियां शुरू करने के लिए अपने करीबी वकील मुहम्मद अली, सीनेटर मुहम्मद अली दुर्रानी और आलिया मलिक का चयन भी कर लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने इन तीनों के लिए इस्लामाबाद शहर के बीच में एक आलीशान मकान भी खरीद लिया है जिसे कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। बताया जाता है कि मुशर्रफ के विपक्षी दल पीएमएल-क्यू के दोनो शीर्ष नेताओं के साथ गंभीर मतभेद हो गए हैं। इन नेताओं ने उनका तब साथ दिया था जब वह सत्ता में थे। इनमें से एक पीएमएल-क्यू के प्रमुख चौधरी सुजात हुसैन ने अभी पिछले हफ्ते लाहौर में पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी के बेटे की शादी के मौके पर मुशर्रफ को कोई खास तवज्जो नहीं दी। गौरतलब है कि राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से मुशर्रफ गुमनाम सी जिंदगी बिता रहे हैं।

खरगोन, बड़वानी में भूकम्प के झटके

भोपाल। मध्यप्रदेश के बड़वानी एवं खरगोन में आज हल्के भूकम्प के झटके महसूस किए गए हैं। लोग डरकर घरों से बाहर निकल आए। प्रदेश के खरगौन और बड़वानी जिले के कई शहर एवं कस्बाई इलाकों में आज 10.50 बजे हल्के भूकम्प के झटके महसूस किए गए। दरवाजे खिड़की खड़खड़ाने लगे एवं आलमारियों में रखे बर्तन एवं अन्य सामान जमीन पर गिर पड़े।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक उत्तम झंवर द्वारा मे. मोर्या आर्ट प्रा.लि. के लिये अपनी दुनिया प्रिन्टर्स १३, प्रेस काम्पलेक्स एबी रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ३०५ मोर्या आर्केड १/२ ओल्ड पलासिया, इंदौर में प्रकाशित फोन : ४०४१२६८